

14/6/24

पन्नावली पेस डूजे कचिक्कटा श्री गद्ये
कुठाल पुयाल इय वाड फल के वकालत
लाग व शलीला उल्लुह किया की जो
तदक येक आमिल वाड यल ही
शलीला होने के कारण उपर्ता पस
मे वाड की निधति समाप्त होने पर
के कारण उपर्ता यल ही फल

पर मय मस्थानि निवेद्यात् दिनांक 15.5.24
तदिए शरीर क्रीपा जाता ही पन्नावली
कोपला येक वाड लकमील सारिल.
कमल ही

